



टिमी और पेपे

लेखक: माधव चवन

मैं टिमी हूँ। यह मेरा दोस्त पेपे, मेरा पिल्ला है।

मुझे पेपे को चिढ़ाने में बहुत मज़ा आता है।

मैं उससे कहती हूँ, “मैं तुम से ज्यादा अच्छी हूँ।” उसे यह अच्छा नहीं लगता।

मैं उससे कहती हूँ, “देखो, मेरी नाक है।”

जवाब में वह कहता है, “भऊ।” इसका मतलब उसकी भी नाक है।

“देखो मेरे कान हैं,” मैं कहती हूँ।

जवाब में वह कहता है, “भऊ।” इसका मतलब उसके भी कान हैं।

मैं बोलती हूँ, “देखो, मेरी आँखें हैं।”

जवाब में वह कहता है, “भऊ।” इसका मतलब है उसकी भी आँखें हैं।

मैं कहती हूँ, “देखो, मैं अपनी टाँगों पर नाच सकती हूँ।”

जवाब में पेपे कहता है, “भऊ, भऊ, भऊ।” इसका मतलब वह भी नाच सकता है।





मैं कहती हूँ, “देखो, मेरी जीभ है।”

जवाब में वह कहता है, “भऊ।” इसका मतलब उसकी भी जीभ है।

मैं कहती हूँ, “मैं सोच सकती हूँ।”

जवाब में वह कहता है, “भऊऊऊ।” इसका मतलब वह मुझसे भी बेहतर सोच सकता है।

मैं कहती हूँ, “देखो, मेरे हाथ हैं!”

जवाब में वह कहता है, “गुर्रर्रर्र ...,” और मुड़कर अपनी छोटी सी पूँछ दिखाता है। इसका मतलब उसके पास पूँछ है और मेरे पास नहीं! मुझे पेपे, मेरा पिल्ला बहुत ही प्यारा लगता है। और वह भी मुझसे प्यार करता है।

समाप्त

Click below to follow us:



You Tube

facebook

